संपादक के नोट

मैं, आप सबको, मेरे प्रभु और उद्धारकरता येशु मसीह के नाम से अभिवादन करती हूँ। **श्रेष्ठगीत** १रू८ कहता है – **नारियों में सर्वांग सुन्दरी, यदि तू स्वयं नहीं जानती तो भेड़ों के खुरों के चिहनों पर चली जा और चरवाहों के तम्बुओं के पास अपनी बकरियों के बच्चे चरा।**

झुँड़ की भेड़ चरवाहे का पीछा करती है। चरवाहा हमेशा थाट से झुँड़ के आगे चलता है। भेड़ उसका पीछा आनंद से करता है। पूराने नियम में, हम बहुत–से चरवाहों के पैरों को देखते है, अब्राहाम, इसहाक, याकूब और मुसा सारे चरवाहे थे। अगर हम इन चरवाहों का पीछा करते हैं तो वे हमारी अगुवाई येशु मसीह की ओर करते हैं। येशु एक अच्छा चरवाहा है, जैसे दिया गया है **यूहन्ना** १०रू११ – **अच्छा चरवाहा मैं हूँ, अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिए अपना प्राण देता है।**

वह हमारे आगे जाता है। वह हमारे सामने से हर रूकावट को निकाल देता है। वह सबका अगुवा है। **मीका** २रू१३ कहता है – **उनका बाड़ा तोड़ने वाला उनके आगे जाता है, वे खुलकर फाटक से बाहर निकल आते हैं। उनका राजा उनके आगे आगे चलता है, हां, यहोवा ही उनका अगुवा है।"**

येशु क्रूस की ओर देखता था और योद्धा के जैसे चलता था। वह एक परिपूर्ण चरवाहा है, जिसने उसके भेड़ों के लिए अपना जीवन दिया।

पूराने नियम में हम देखते हैं एक बहु, रूत को जिसने उसकी सास का पीछा किया। वह सच्चाई को जानती थी कि परमेश्वर जो उसकी सास के साथ था वह जीवित परमेश्वर था। इसलिए वह भरोसे से कहती है जैसे दिया गया है **रूत** १रू१६ – **परन्तु रूत ने कहा, "मुझ से यह विनती न कर कि मुझे छोड़कर लौट जा, क्योंकि जिधर तू जाए उधर मैं भी जाऊंगी, और जहाँ तू टिके वहाँ मैं भी टिकूँगी। तेरे लोग मेरे लोग होंगे और तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर होगा**

इसलिए मेरे प्रिय, प्रभु का पीछा करो। **यशायाह** ५१रू१ कहता है – **हे धार्मिकता पर चलनेवालो, तुम जो यहोवा के खोजी हो, मेरी सुनोरू जिस चट्टान से तुम निकाले गए और जिस खदान से खोदे गए, उस पर दृष्टि करो।**

हम देखते हैं दाऊद को आँसुओं के साथ प्रार्थना करते हुए **भजन संहिता ८०ः१८** में – **तब हम तुझ से न मुड़ेंगे। हमको जिला, और हम तेरा नाम लेंगे।**

हमारे कमज़ोर समयों में, हमे प्रभु की ओर देखना चाहिए और उसे हमारे सामर्थ को पुन्ननिर्माण करने के लिए पूछना है। जैसे ही वृक्ष जो गर्मी के मौसम में सूख जाता है और वर्षा के मौसम में नया जीवन पाता है वर्षा के द्वारा, वैसे ही सूखी बीज जो धरती में है पहली वर्षा के समय नई जीवन पाती है। उसी प्रकार, हमारे परमेश्वर के पास हमे नया जीवन देने का सामर्थ है। लेकिन अगर उसकी आत्मा जिसने येशु को मृतकों में से जिलाया, तुम में वास करता हैं, उसने, जिसने येशु के मृतकों से जिलाया, तुम्हारे मृतक शरीरों को भी जीवन दे सकता है उसकी आत्मा के द्वारा जो तुम में बसता है। **इफिसियों २ः५** कहता है – **जबकी हम अपने अपराधों के कारण मरे हुए थे उसने हमें मसीह के साथ जीवित किया–अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है– और यह तुम्हारी ओर से नहीं वरन् परमेश्वर का दान है।**

परमेश्वर के वचन में हमे नया नया जीवन देने की सामर्थ है, इसलिए येशु ने कहा, "यह आत्मा है जो जीवन देता है, शरीर से कोई लाभ नहीं। मैं जो वचनों को तुमसे कहता हूँ वह आत्मा है, और वह जीवन है।"

भजन संहिता ११९ः१५४ कहता है – **मेरा मुक़द्दमा लड़ और मुझे छुडा ले अपने वचन के अनुसार मुझे फिर से जिला।** दुनिया का चोर तुम्हे हथियार दिखाकर बहुत आसानी से तुम्हे ठग सकता है, तुम्हारी सारी कमाई और एश्वर्य को ठग सकता है। शैतान भी एक चोर है, वह तुहारी शांति, आनंद और तुम्हे दिया गया परमेश्वर का वचन भी चोरी करता है। इसलिए येशु बहुत स्पष्ट रूप से **मत्ती १३ः१९** कहता है – **जब कोई व्यक्ति राज्य का वचन सुनता है और उसे नहीं समझता, तो वह दृष्ट आकर, जो कुछ उसके हृदय में बोया गया था, छीन ले जाता है। यह मार्ग के किनारे की वह भूमि है जिस पर बीज बोया गया था।**

परमेश्वर का वचन परमेश्वर की आत्मा के द्वारा दिया गया है, उसमें जीवन और सत्य है।

भजन संहिता १९ः१०–१४ – वे सोने से, हां, बहुत–से ताए हुए सोने से भी अधिक मनभावने हैं; वे तो मधु से, यहां तक कि टपकने वाले छत्ते से भी मधुर हैं। इनके द्वारा तो तेरे दास को चेतावनी मिलती है; इनका पालन करने से बड़ा लाभ होता है। अपनी

भूल–चूक को कौन समझ सकता है? मेरे गुप्त पापों को क्षमा कर दे। अपने दास को ढिठाई के पापों से बचाए रख; वे मुझ पर प्रभुता करने न पाएं; तब मैं निदीश बना रहूँगा, और बड़े बड़े अपराधों से बचा रहूँगा। मेरे मुंह के वचन और मेरे हृदय का ध्यान तेरे सम्मुख ग्रहणयोग्य हो, हे यहोवा, मेरी चट्टान और मेरे उद्धारकर्ता।

"तेरे मुंह की व्यवस्था मेरे लिए सोने और चांदी के हज़ारों सिक्कों से भी उत्तम है।" इसलिए चोर के हाथों में न गिरो, सावधान रहो। येशु ने शैतान को हराया, परमेश्वर के वचन के द्वारा और आत्मा के तलवार से।

इफिसियों ६ः१७ कहता है – **और उद्धार का टोप तथा आत्मा की तलवार, जो परमेश्वर का वचन है, ले लो।**

इसलिए मेरे प्रियं, परमेश्वर के वचन को हर रोज ज़रूर पढ़ना, वह तुम्हारे मार्ग के लिए ज्योंति बने। जो भी तुम करो उसमें तुम विजई हो जाओ।

परमेश्वर तुम्हे आशीष दें तब तक कि हम फिर मिलें इस पत्रिका के द्वारा अगले महिने।

– **पास्टर सरोजा म.**